



Haryana Board Syllabus 2024-25

aglasem.com

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन (2024-25)

कक्षा- 12 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी। प्रयोगात्मक (क्रियात्मक) परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
 - i) 20 अंको की प्रायोगिक (क्रियात्मक) पुस्तिका।
 - ii) तबला या पखावज पर एक ताल, झप ताल, धमार या आड़ा चारताल (with simple elaborations) बजाने की क्षमता (5 अंक)
 - iii) एक ताल व झप ताल में एक एडवांस कायदा या रेला (चार पलटों और तिहाई सहित) एक साधारण टुकड़ा, एक साधारण चक्करदार टुकड़ा या परण, एक दमदार तिहाई और एक परण (5 अंक)
 - iv) पाठ्यक्रम में दी गई तालों (तीन ताल या आड़ी ताल, रूपक या तीव्र ताल) में से किसी एक ताल में (विद्यार्थी की इच्छा अनुसार) एकल प्रदर्शन के लिए (5 अंक)।
 - v) किसी भी लोक गीत अथवा भजन के साथ संगत करने के लिए (5 अंक)।
 - vi) पाठ्यक्रम में दी गई तालों व रचना की ठाह, 2 गुण और चौगुन लय में हाथ पर बजाकर उच्चारण करने की क्षमता (5 अंक)।



vii) ताल दादरा अथवा कहरवा में सिंपल लग्गी अथवा पखावज पर थाप के (5 अंक)।

4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:

- i) 04 अंकों के लिए - दो SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।
- ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
- iii) दो अंकों के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
- iv) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।
- v) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
- vi) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक



पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा- 12 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स	04
2	लयकारियां तथा इसके रूप (प्रकार)	03
3	तबला अथवा पखावज(इतिहास व घराने)	03
4	जातियों का वर्गीकरण	02
5	ताल अध्याय	06
6	भारतीय संगीत का इतिहास	12
7	जीवन परिचय तथा उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100



अध्याय 1: परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स

- उठान
- पेशकार
- चक्करदार
- वर्ण
- सादरा
- अलंकार
- जरब
- काल
- क्रिया
- अंग
- रेला

अध्याय 2: लयकारियां और इसके रूप (प्रकार)

अध्याय 3: तबला या पखावज - इतिहास व घराने

- तबला या पखावज का संक्षिप्त इतिहास और उद्भव
- तबला मिलाने की विधि
- तबला या पखावज के घरानों का संक्षिप्त वर्णन



अध्याय 4: जाति वर्गीकरण

- ताल से संबंधित जातियां

अध्याय 5: ताल अध्याय

- तालों का तुलनात्मक अध्ययन
 - चार ताल- एक ताल
 - झप ताल- सूलताल
 - तीन ताल- तिलवाड़ा ताल
- चार ताल, धमार, झपताल तथा एक ताल
 - उपरोक्त तालों का शास्त्रीय परिचय
 - 1 गुण तथा 2 गुण
 - दिए गए बोल समूह, ठेके अथवा किसी रचना से ताल को पहचानना
 - विवेचना के साथ किसी रचना व ताल को लिपिबद्ध करना

अध्याय 6: भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास

- प्राचीन काल से मध्यकाल तक
- मध्य काल से आधुनिक काल तक
- अवनद्ध वाद्यों के संदर्भ में मध्यकाल व आधुनिक काल का इतिहास

अध्याय 7: जीवन परिचय व उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान

- पंडित किशन महाराज
- उस्ताद जाकिर हुसैन



- निम्नलिखित का जीवन परिचय तथा वादन का ढंग, विशेषताएं
 - राजा छत्रपति सिंह
 - बिरजू महाराज

क्रियात्मक ज्ञान:

1. तबला या पखावज पर एक ताल, झप ताल, धमार या आड़ा चारताल बजाने की क्षमता।
2. एक ताल व झपताल में एक एडवांस कायदा या रेला (चार पलटों और तिहाई सहित) एक साधारण टुकड़ा, एक साधारण चक्करदार टुकड़ा या परण, एक दमदार तिहाई और एक परण।
3. पाठ्यक्रम में दी गई तालों (तीन ताल या आड़ी ताल, रूपक या तीव्रा ताल) में से किसी एक ताल में (विद्यार्थी की इच्छा अनुसार) एकल प्रदर्शन।
4. किसी भी लोक गीत अथवा भजन के साथ संगत।
5. पाठ्यक्रम में दी गई तालों व रचना की ठाह, 2 गुण और चौगुन लय में हाथ पर बजाकर उच्चारण करने की क्षमता।



मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 12 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	संगीत संबंधी परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स लयकारियां तथा इसके रूप (प्रकार)	6	6	8
मई	तबला या पखावज (इतिहास व घराने) चारताल, धमार, झपताल व एकताल का शास्त्रीय परिचय, 1 गुण तथा 2 गुण एकल वादन का क्रियात्मक अभ्यास	8	6	8
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	दोहराई तबले पर एकताल, झपताल, धमार या आड़ा चार ताल की 1 गुण 2 गुण तथा चौगुन का अभ्यास ताल से संबंधित जातियां	6	6	8



अगस्त	तालों का तुलनात्मक अध्ययन तालों की पहचान विवेचना सहित रचनाओं को तालों में लिपिबद्ध करना (क्रियात्मक ज्ञान सहित)	8	6	8
सितंबर	दोहराई अर्ध वार्षिक परीक्षा		12	12
अक्तूबर	भारतीय संगीत का इतिहास कायदे, रेला, टुकड़े, तिहाई, परण आदि का ज्ञान (क्रियात्मक ज्ञान सहित)	8	8	8
नवंबर	जीवन परिचय व उनका संगीत में योगदान ● पंडित किशन महाराज ● उस्ताद जाकिर हुसैन ● निम्नलिखित का जीवन परिचय तथा वादन का ढंग, विशेषताएं ○ राजा छत्रपति सिंह ○ बिरजू महाराज	8	6	8
दिसंबर	भजन व लोकगीतों के साथ तबले की संगत का नियमित अभ्यास कहरवा व दादरा में लगी अथवा पखावज पर थाप	8	6	8



जनवरी	तबले पर तालों का नियमित अभ्यास भिन्न भिन्न रचनाओं को तालबद्ध करने का अभ्यास	6	6	8
फ़रवरी	दोहराई			
मार्च	वार्षिक परीक्षा			

नोट:

- विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।



प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा- 12 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	01	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न। 02 एक शब्दीय प्रश्न।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	02	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	03	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	05	01	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
कुल		16		30



BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- 12th Subject: **Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)**

Code: **652**

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
 - i) Practical Booklet of 20 marks.
 - ii) Ability to play Ek Taal, Jhap Taal, Dhamar or Aada Chartal (with simple elaborations) on Tabla or Pakhawaj (5 marks)
 - iii) One Advance Qaida or rela (with four paltas and thihai) in Ek Taal and jhapa taal One Tukra, one simple chakardar Tukra or Paran, one damdar tihai and one Paran (5 marks)
 - iv) One solo performance in Taals given in the syllabus (Teen Taal or Aadi Taal, Rupak or Tivra Taal) in any one of the Taalas (choice of the student) 05 marks.
 - v) Accompaning folk song or Bhajan 05 marks.
 - vi) Ability to play one guna , two guna and chougun with recitation on hands 05 marks.
 - vii) Simmple laggi or Pakhawaj thaap in Dadra taal or Kehrva Taal 05 marks.

4. For Internal Assessment:

There will be Periodic Assessment that would include:

- i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 04 marks towards the final Internal Assessment.
- ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.



- iii) For 2 marks- One Pre-Board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
- iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
- v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
- vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:
 - 75% to 80% - 01 marks
 - Above 80% to 85% - 02 marks
 - Above 85% to 90% - 03 marks
 - Above 90% to 95% - 04 marks
 - Above 95% to 100% - 05 marks



Course Structure (2024-25)

Class- 12th Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Definitions and Brief Notes	04
2	Rhythm and its forms (types)	03
3	Tabla or Pakhawaj (History and Gharanas)	03
4	Classification of Jaties (different pattern)	02
5	Study of Talas	06
6	History of Indian Music	12
7	Life introductions and their contributions in the field of music	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		100



Chapter 1: Definitions and Brief Notes

- Uthan
- Peshkara
- Chakkardar
- Varana
- Sadhra
- Alankar
- Zarab
- kala
- Kriya
- Anga
- Rela

Chapter 2: Laikaris and its Forms (Types)

Chapter 3: Tabla or Pakhawaj - History and Gharanas

- Brief History and Origin of Tabla or Pakhawaj
- Tunning method of Tabla or Pakhawaj
- Brief description of Gharanas of Tabla or Pakhawaj

Chapter 4: Classification of Jaati (with different patterns)

- Jaaties related to Tal

Chapter 5: Study of Talas

- Comparative study of Talas



- o Char taal - Ek Taal
- o Jhap Taal – Sool Taal
- o Teen Tal - Tilwara Tal
- Chaar Taal, Dhamar Taal, Jhap Taal and Ek Taal
- o Classical introduction of the above taals
- o Single and double thekas of above talas.
- o Identifying rhythms from a given set of lyrics, chords or a composition
- o Writing down a composition and rhythm with interpretation

Chapter 6: Brief History of Indian Music

- From ancient times to medieval times
- From the Middle Ages to the Modern Period
- History of medieval and modern times in the context of Avanada vadayas

Chapter 7: Introduction to life and their contributions in the field of music

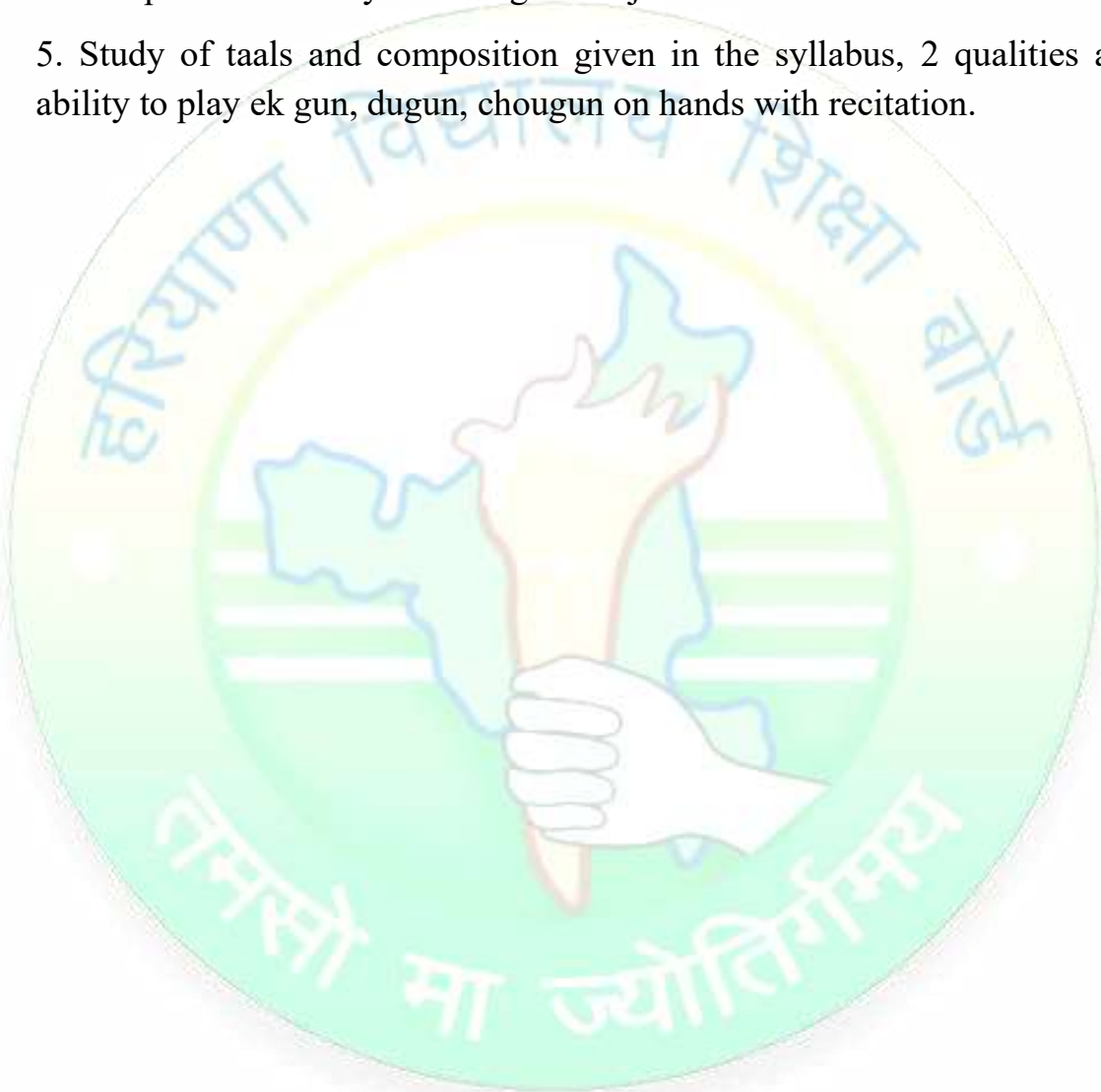
- Pandit Kishan Maharaj
- Ustad Zakir Hussain
- Life introduction and style of playing, characteristics of the following
 - o Raja Chhatrapati Singh
 - o Birju Maharaj

Practical

1. Ability to play ek Taal, Jhap Taal, Dhamar or Aada Chartal (with simple elaborations) on Tabla or Pakhawaj.



2. An advanced Qaida or rela (with four paltas and thihai) in Ek Taal jhapataal, a simple Tukra , a simple Chakardar tukra or paran, a damdar Tihai and One paran.
3. Taals given in the syllabus (Teen Taal or Aadi Taal, Rupak or Tivra Taal) Solo performance in any one of the talas (as desired by the student).
4. Compatible with any folk song or bhajan.
5. Study of taals and composition given in the syllabus, 2 qualities and ability to play ek gun, dugun, chouguna on hands with recitation.



Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- 12th Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Music Definitions and Short notes Rhythms and its forms (types)	6	6	8
May	Tabla or Pakhawaj (History and Gharana) Classical introduction of Chartal, Dhamar, Jhapatal and Ektal, 1st Guna and 2nd Guna solo practice on Tabla	8	6	8
June	Summer Vacation (Assign activities)			
July	Revision Practice of Ek tal, Jhapatal, Dhamar or Aada chartaal on Tabla with 1 Guna 2 Guna and Chaugun. Classification of Jaaties of Taalas	6	6	8



August	comparative study of Taalas identification of Taalas Writing compositions in Taals including interpretation (with functional knowledge)	8	6	8
September	Revision Half Yearly Examination		12	12
October	History of Indian Music. Knowledge of Kayda, Rela, Tukra, Thihai, paran etc. (including functional knowledge)	8	8	8
November	Life introduction and their contribution to music Pandit Kishan Maharaj • Ustad Zakir Hussain • Life introduction and style of playing, characteristics of the following o Raja Chhatrapati Singh o Birju Maharaj	8	6	8
December	Regular practice of tabla accompaniment with bhajans and folk songs. one Laggi or Pakhawaj thaap In Kaharwa and Dadra Taala,	8	6	8



January	Regular practice of talas on tabla Practice of various composition with written practice	6	6	8
February	Revision			
March	Annual Examination			

Note:

- Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.



Question Paper Design (2024-25)

Class- 12th Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	01	08	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One-word questions	08
Very short answer type questions	02	08	Internal choice will be given in all questions.	08
Short answer questions	03	03	Internal choice will be given in all questions.	09
Long answerable Question	05	01	Question will be given with internal choice	05
Total		16		30



हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन (2024-25)

कक्षा- 12 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी। प्रयोगात्मक (क्रियात्मक) परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
 - i) 20 अंको की प्रायोगिक (क्रियात्मक) पुस्तिका।
 - ii) तबला या पखावज पर एक ताल, झप ताल, धमार या आड़ा चारताल (with simple elaborations) बजाने की क्षमता (5 अंक)
 - iii) एक ताल व झप ताल में एक एडवांस कायदा या रेला (चार पलटों और तिहाई सहित) एक साधारण टुकड़ा, एक साधारण चक्करदार टुकड़ा या परण, एक दमदार तिहाई और एक परण (5 अंक)
 - iv) पाठ्यक्रम में दी गई तालों (तीन ताल या आड़ी ताल, रूपक या तीव्रा ताल) में से किसी एक ताल में (विद्यार्थी की इच्छा अनुसार) एकल प्रदर्शन के लिए (5 अंक)।
 - v) किसी भी लोक गीत अथवा भजन के साथ संगत करने के लिए (5 अंक)।
 - vi) पाठ्यक्रम में दी गई तालों व रचना की ठाह, 2 गुण और चौगुन लय में हाथ पर बजाकर उच्चारण करने की क्षमता (5 अंक)।



vii) ताल दादरा अथवा कहरवा में सिंपल लगी अथवा पखावज पर थाप के (5 अंक)।

4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:

- i) 04 अंकों के लिए - दो SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।
- ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
- iii) दो अंकों के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
- iv) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।
- v) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
- vi) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक



पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा- 12 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स	04
2	लयकारियां तथा इसके रूप (प्रकार)	03
3	तबला अथवा पखावज(इतिहास व घराने)	03
4	जातियों का वर्गीकरण	02
5	ताल अध्याय	06
6	भारतीय संगीत का इतिहास	12
7	जीवन परिचय तथा उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100



अध्याय 1: परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स

- उठान
- पेशकार
- चक्करदार
- वर्ण
- सादरा
- अलंकार
- जरब
- काल
- क्रिया
- अंग
- रेला

अध्याय 2: लयकारियां और इसके रूप (प्रकार)

अध्याय 3: तबला या पखावज - इतिहास व घराने

- तबला या पखावज का संक्षिप्त इतिहास और उद्भव
- तबला मिलाने की विधि
- तबला या पखावज के घरानों का संक्षिप्त वर्णन



अध्याय 4: जाति वर्गीकरण

- ताल से संबंधित जातियां

अध्याय 5: ताल अध्याय

- तालों का तुलनात्मक अध्ययन
 - चार ताल- एक ताल
 - झप ताल- मूलताल
 - तीन ताल- तिलवाड़ा ताल
- चार ताल, धमार, झपताल तथा एक ताल
 - उपरोक्त तालों का शास्त्रीय परिचय
 - 1 गुण तथा 2 गुण
 - दिए गए बोल समूह, ठेके अथवा किसी रचना से ताल को पहचानना
 - विवेचना के साथ किसी रचना व ताल को लिपिबद्ध करना



अध्याय 6: भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास

- प्राचीन काल से मध्यकाल तक
- मध्य काल से आधुनिक काल तक
- अवनद्ध वाद्यों के संदर्भ में मध्यकाल व आधुनिक काल का इतिहास

अध्याय 7: जीवन परिचय व उनका संगीत के क्षेत्र में योगदान

- पंडित किशन महाराज
- उस्ताद जाकिर हुसैन

- निम्नलिखित का जीवन परिचय तथा वादन का ढंग,विशेषताएं

- राजा छत्रपति सिंह
- बिरजू महाराज

क्रियात्मक ज्ञान:

1. तबला या पखावज पर एक ताल, झप ताल, धमार या आड़ा चारताल बजाने की क्षमता।
2. एक ताल व झपताल में एक एडवांस कायदा या रेला (चार पलटों और तिहाई सहित) एक साधारण टुकड़ा, एक साधारण चक्करदार टुकड़ा या परण,एक दमदार तिहाई और एक परण।
3. पाठ्यक्रम में दी गई तालों (तीन ताल या आडी ताल, रूपक या तीव्रा ताल) में से किसी एक ताल में (विद्यार्थी की इच्छा अनुसार) एकल प्रदर्शन।
4. किसी भी लोक गीत अथवा भजन के साथ संगत ।
5. पाठ्यक्रम में दी गई तालों व रचना की ठाह,2 गुण और चौगुन लय में हाथ पर बजाकर उच्चारण करने की क्षमता।



मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 12 वीं विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला कोड: 652

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	संगीत संबंधी परिभाषाएं तथा संक्षिप्त नोट्स लयकारियां तथा इसके रूप (प्रकार)	6	6	8
मई	तबला या पखावज (इतिहास व घराने) चारताल, धमार, झपताल व एकताल का शास्त्रीय परिचय, 1 गुण तथा 2 गुण एकल वादन का क्रियात्मक अभ्यास	8	6	8
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	दोहराई तबले पर एकताल, झपताल, धमार या आड़ा चार ताल की 1 गुण 2 गुण तथा चौगुन का अभ्यास ताल से संबंधित जातियां	6	6	8



अगस्त	तालों का तुलनात्मक अध्ययन तालों की पहचान विवेचना सहित रचनाओं को तालों में लिपिबद्ध करना (क्रियात्मक ज्ञान सहित)	8	6	8
सितंबर	दोहराई अर्ध वार्षिक परीक्षा		12	12
अक्तूबर	भारतीय संगीत का इतिहास कायदे,रेला,टुकड़े,तिहाई,परणआदि का ज्ञान (क्रियात्मक ज्ञान सहित)	8	8	8
नवंबर	जीवन परिचय व उनका संगीत में योगदान ● पंडित किशन महाराज ● उस्ताद जाकिर हुसैन ● निम्नलिखित का जीवन परिचय तथा वादन का ढंग,विशेषताएं ○ राजा छत्रपति सिंह ○ बिरजू महाराज	8	6	8
दिसंबर	भजन व लोकगीतों के साथ तबले की संगत का नियमित अभ्यास कहरवा व दादरा में लग्गी अथवा पखावज पर थाप	8	6	8



जनवरी	तबले पर तालों का नियमित अभ्यास भिन्न भिन्न रचनाओं को तालबद्ध करने का अभ्यास	6	6	8
फ़रवरी	दोहराई			
मार्च	वार्षिक परीक्षा			

नोट:

- विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।



प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा- 12 वीं

विषय: हिन्दुस्तानी संगीत तबला

कोड: 652

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	01	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न। 02 एक शब्दीय प्रश्न।	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	02	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	03	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	05	01	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
कुल		16		30



BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- 12th Subject: **Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)**

Code: 652

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
 - i) Practical Booklet of 20 marks.
 - ii) Ability to play Ek Taal, Jhap Taal, Dhamar or Aada Chartal (with simple elaborations) on Tabla or Pakhawaj (5 marks)
 - iii) One Advance Qaida or rela (with four paltas and thihai) in Ek Taal and jhapa taal One Tukra, one simple chakardar Tukra or Paran, one damdar tihai and one Paran (5 marks)
 - iv) One solo performance in Taals given in the syllabus (Teen Taal or Aadi Taal, Rupak or Tivra Taal) in any one of the Taalas (choice of the student) 05 marks.
 - v) Accompanying folk song or Bhajan 05 marks.
 - vi) Ability to play one guna , two guna and chougun with recitation on hands 05 marks.
 - vii) Simmple laggi or Pakhawaj thaap in Dadra taal or Kehrva Taal 05 marks.

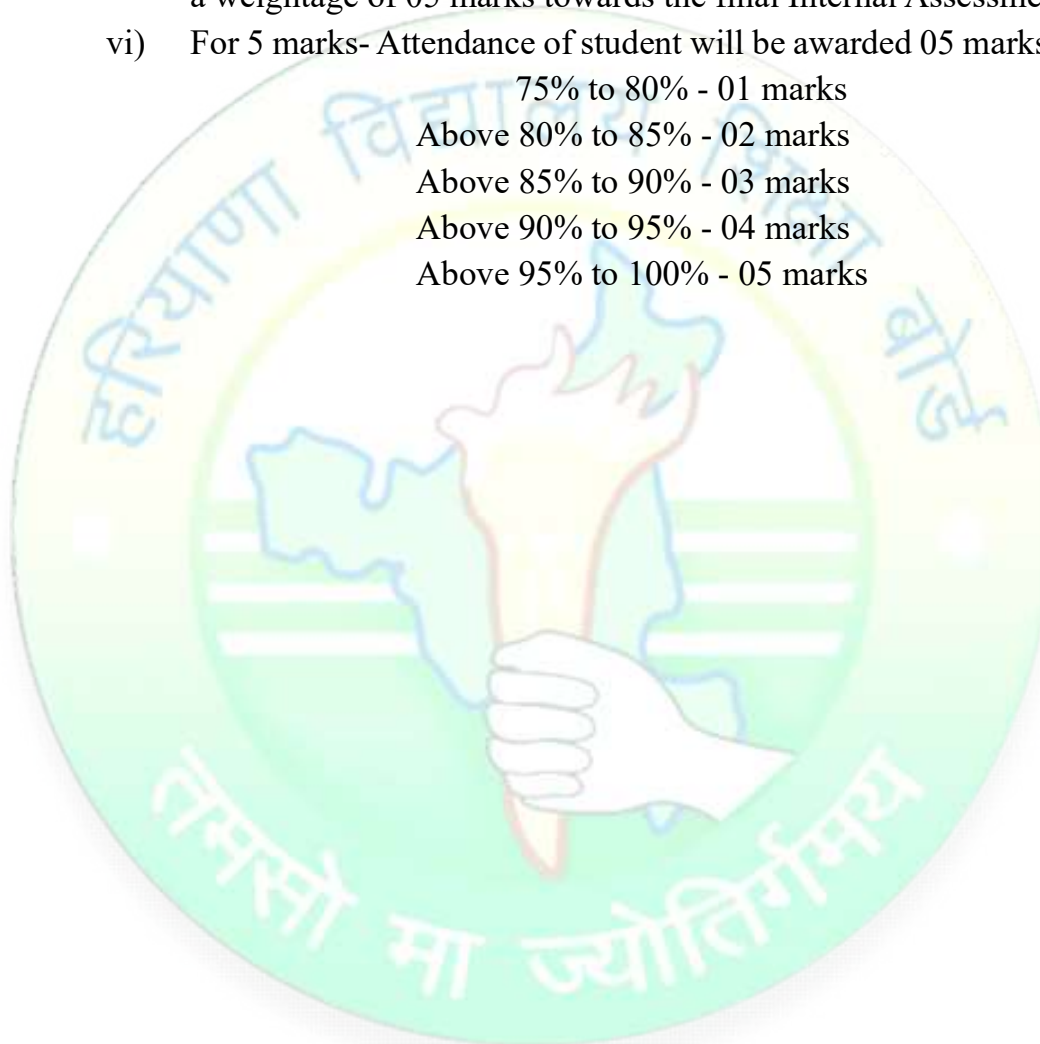
4. For Internal Assessment:

There will be Periodic Assessment that would include:

- i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 04 marks towards the final Internal Assessment.
- ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.



- iii) For 2 marks- One Pre-Board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
- iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
- v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
- vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:
 - 75% to 80% - 01 marks
 - Above 80% to 85% - 02 marks
 - Above 85% to 90% - 03 marks
 - Above 90% to 95% - 04 marks
 - Above 95% to 100% - 05 marks



Course Structure (2024-25)

Class- 12th Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Definitions and Brief Notes	04
2	Rhythm and its forms (types)	03
3	Tabla or Pakhawaj (History and Gharanas)	03
4	Classification of Jaties (different pattern)	02
5	Study of Talas	06
6	History of Indian Music	12
7	Life introductions and their contributions in the field of music	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		100



Chapter 1: Definitions and Brief Notes

- Uthan
- Peshkara
- Chakkardar
- Varana
- Sadhra
- Alankar
- Zarab
- kala
- Kriya
- Anga
- Rela

Chapter 2: Laikaris and its Forms (Types)

Chapter 3: Tabla or Pakhawaj - History and Gharanas

- Brief History and Origin of Tabla or Pakhawaj
- Tuning method of Tabla or Pakhawaj
- Brief description of Gharanas of Tabla or Pakhawaj

Chapter 4: Classification of Jaati (with different patterns)

- Jaaties related to Tal

Chapter 5: Study of Talas

- Comparative study of Talas



- o Char taal - Ek Taal
- o Jhap Taal – Sool Taal
- o Teen Tal - Tilwara Tal
- Chaar Taal, Dhamar Taal, Jhap Taal and Ek Taal
- o Classical introduction of the above taals
- o Single and double thekas of above talas.
- o Identifying rhythms from a given set of lyrics, chords or a composition
- o Writing down a composition and rhythm with interpretation

Chapter 6: Brief History of Indian Music

- From ancient times to medieval times
- From the Middle Ages to the Modern Period
- History of medieval and modern times in the context of Avastha vadayas

Chapter 7: Introduction to life and their contributions in the field of music

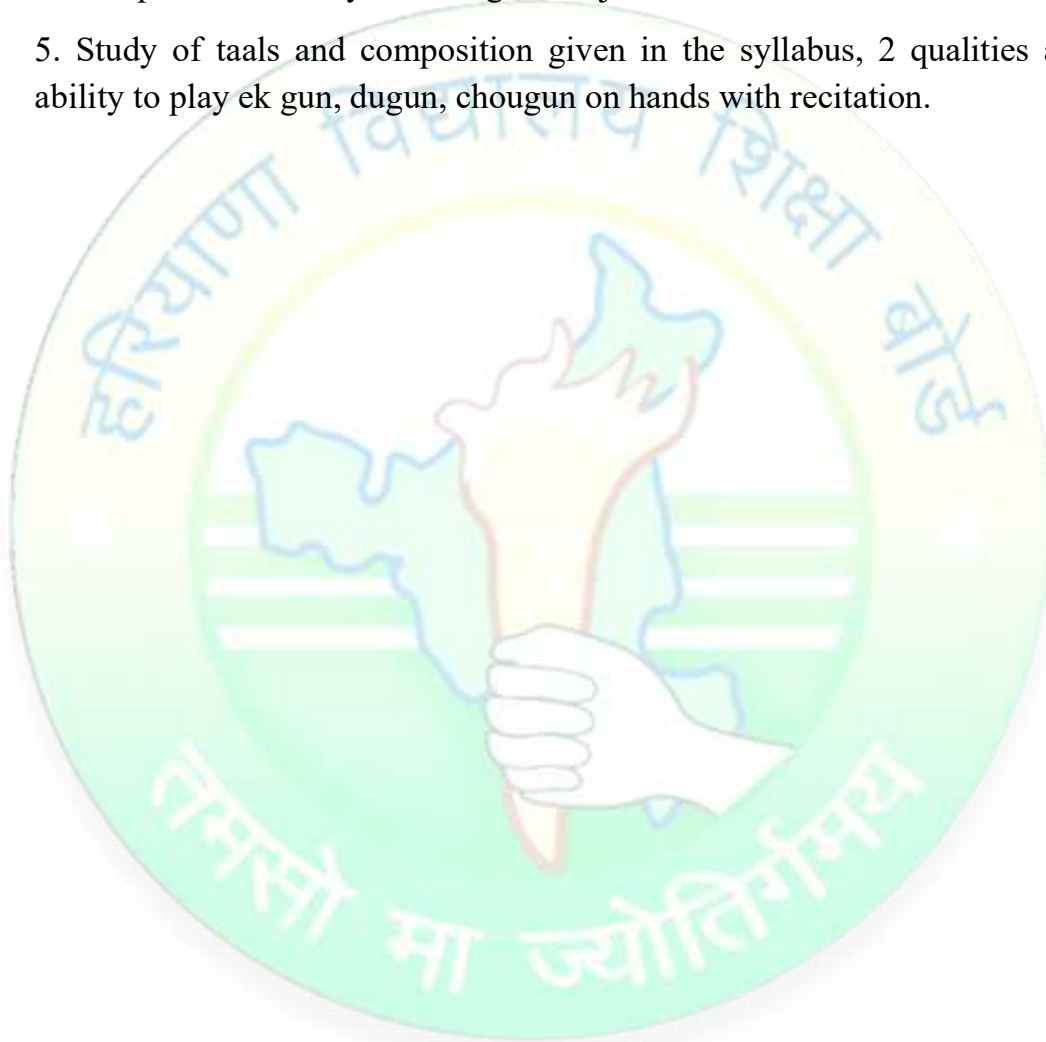
- Pandit Kishan Maharaj
- Ustad Zakir Hussain
- Life introduction and style of playing, characteristics of the following
 - o Raja Chhatrapati Singh
 - o Birju Maharaj

Practical

1. Ability to play ek Taal, Jhap Taal, Dhamar or Aada Chartal (with simple elaborations) on Tabla or Pakhawaj.



2. An advanced Qaida or rela (with four paltas and thihai) in Ek Taal jhapataal, a simple Tukra , a simple Chakardar tukra or paran, a damdar Tihai and One paran.
3. Taals given in the syllabus (Teen Taal or Aadi Taal, Rupak or Tivra Taal) Solo performance in any one of the talas (as desired by the student).
4. Compatible with any folk song or bhajan.
5. Study of taals and composition given in the syllabus, 2 qualities and ability to play ek gun, dugun, chougund on hands with recitation.



Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- 12th Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Music Definitions and Short notes Rhythms and its forms (types)	6	6	8
May	Tabla or Pakhawaj (History and Gharana) Classical introduction of Chartal, Dhamar, Jhaptal and Ektal, 1st Guna and 2nd Guna solo practice on Tabla	8	6	8
June	Summer Vacation (Assign activities)			
July	Revision Practice of Ek tal, Jhapatal, Dhamar or Aada chartaal on Tabla with 1 Guna 2 Guna and Chaugun. Classification of Jaaties of Taalas	6	6	8



August	comparative study of Taalas identification of Taalas Writing compositions in Taals including interpretation (with functional knowledge)	8	6	8
September	Revision Half Yearly Examination		12	12
October	History of Indian Music. Knowledge of Kayda, Rela, Tukra, Thihai, paran etc. (including functional knowledge)	8	8	8
November	Life introduction and their contribution to music Pandit Kishan Maharaj • Ustad Zakir Hussain • Life introduction and style of playing, characteristics of the following o Raja Chhatrapati Singh o Birju Maharaj	8	6	8
December	Regular practice of tabla accompaniment with bhajans and folk songs. one Laggi or Pakhawaj thaap In Kaharwa and Dadra Taala,	8	6	8



January	Regular practice of talas on tabla Practice of various composition with written practice	6	6	8
February	Revision			
March	Annual Examination			

Note:

- Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.



Question Paper Design (2024-25)

Class- 12th Subject: Hindustani Music Tabla (Percussion Instrument)

Code: 652

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	01	08	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One-word questions	08
Very short answer type questions	02	04	Internal choice will be given in all questions.	08
Short answer questions	03	03	Internal choice will be given in all questions.	09
Long answerable Question	05	01	Question will be given with internal choice	05
Total		16		30



हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 50 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
 - i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
 - ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iv) किसी एक राग और किसी एक ताल के (ध्रुपद या विलंबित ख्याल सहित) के क्रियात्मक ज्ञान के लिए 15 अंक।
 - v) लोकगीत, वंदे मातरम (हारमोनियम पर) के मौखिक ज्ञान तथा क्रियात्मक परीक्षा के लिए 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:
 - i) 04 अंकों के लिए - दो SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।
 - ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
 - iii) दो अंकों के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
 - iv) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।



- v) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
- vi) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक



पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत संबंधी परिभाषाएं	06
2	गायन शैलियां	03
3	थाट, राग, गायक तथा वाग्गेयकार	03
4	रागों का समय सिद्धांत	03
5	तालों का अध्ययन	03
6	रागों का अध्ययन	12
7	संगीतज्ञों के जीवन परिचय	
8	संगीत का इतिहास व भविष्य में संभावनाएं	
कुल		30
प्रायोगिक परीक्षा		50
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100



अध्याय 1: संगीत संबंधी परिभाषाएं

1.वर्ण

- वर्ण की परिभाषा
- वर्ण के प्रकार व उनका अध्ययन
- वर्णों की पहचान
- वर्णों के द्वारा अलंकारों का निर्माण
- वर्णों का संगीत में महत्व

2.ग्राम

- ग्राम का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- ग्राम के प्रकार
- ग्राम का महत्व

3.मूर्च्छना

- मूर्च्छना का शाब्दिक अर्थ तथा परिभाषा
- मूर्च्छना के प्रकार
- ग्राम के द्वारा मूर्च्छना की उत्पत्ति तथा उनके नाम

4.गमक

- गमक, गमक की परिभाषा व प्रकार

5.मींड, मुर्की, कण, तथा खटका की परिभाषा

6. आलाप

7.तान, तान की परिभाषा तथा प्रकार

8.सम, ताली, खाली, आवर्तन, विभाग

9.स्वर लिपि की परिभाषा



- स्वरलिपिपद्धतियां, उनके अविष्कारक तथा भारतीय संगीत में स्वरलिपि का महत्व

अध्याय 2: गायन शैलियां

- ध्रुपद गायन शैली
 - ध्रुपद का शाब्दिक अर्थ परिभाषा उद्भव व्याख्या
 - ध्रुपद की वाणियां तथा उनके संस्थापक
- तराना गायन शैली
 - तराना का शाब्दिक अर्थ परिभाषा व्याख्या व विशेषताएं
- लक्षण गीत की परिभाषा, भाग, विशेषताएं

अध्याय 3: थाट, राग, गायक तथा वाग्गेयकार

- थाट की परिभाषा, प्रकार, उनके नाम, 10 थाटों के स्वर, थाट के नियम
- राग की परिभाषा व नियम
- राग और थाट में अंतर
- गायकों के गुणों तथा अवगुणों का वर्णन
- वाग्गेयकार की परिभाषा तथा विशेषताएं

अध्याय 4: रागों का समय सिद्धांत

- पूर्व राग व उत्तर राग नियम
- संधी प्रकाश राग तथा उसके बाद गाए जाने वाले रागों का नियम
- अध्वदर्शक स्वर का नियम
- समय सिद्धांत की सार्थकता



अध्याय 5: तालों का अध्ययन

- ताल झपताल
- तालचौताल
- ताल धमार
- ताल एक ताल
- उपरोक्त सभी तालों के शास्त्रीय परिचय
- तालों की 1 गुण तथा 2 गुण
- ताल को हाथ पर बजाने की क्षमता का विकास
- दिए गए बोल समूह में से ताल पहचानना।

अध्याय 6: रागों का अध्ययन

- राग देश,
- राग बिहाग,
- रागभूपाली
- उपरोक्त प्रत्येक राग का संपूर्ण शास्त्रीय परिचय
- उपरोक्त रागों में अलंकारों का निर्माण तथा उनका नियमित अभ्यास
- उपरोक्त रागों के आरोह अवरोह पकड़ दो अलाप तथा दो ताने
- उपरोक्त रागों की छोटे ख्याल की बंदिश तथा स्वर लिपियां
- अपने पाठ्यक्रम के रागों में से दिए गए स्वर समूहों में से राग पहचानने की क्षमता
- किसी एक राग में एक ध्रुपद अथवा एक विलंबित ख्याल



अध्याय 7: संगीतज्ञों के जीवन परिचय

- पंडितशारंगदेव का जीवन परिचय
- पंडित ओमकारनाथ ठाकुर का जीवन परिचय
- पंडित जसराज का जीवन परिचय
- बड़े गुलाम अली खान का जीवन परिचय
- भारतीय संगीत क्षेत्र में स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी का योगदान

अध्याय 8: संगीत का इतिहास व भविष्य में संभावनाएं

- मध्य काल से आधुनिक काल तक संगीत का इतिहास, संगीत परिजात के सदंर्भ में
- भविष्य में संगीत के क्षेत्र में संभावनाएं
- मध्यकाल भारतीय संगीत का स्वर्णयुग

प्रैक्टिकल

1. पाठ्यक्रम के सभी रागों का शास्त्रीय परिचय का ज्ञान
2. उनका नियमित अभ्यास, आरोह अवरोह पकड़ आलाप तथा तान सहित
3. प्रत्येक राग में कम से कम एक द्रुत ख्याल
4. पाठ्यक्रम के किसी एक राग में विलंबित ख्याल अथवा ध्रुपद
5. धीमी गति में राग में आलाप गाने पर विद्यार्थी को उस राग की पहचान हो
6. ताल झप ताल चार ताल एक ताल वधमार की दुगुन लयकारी तक विद्यार्थी हाथ पर बजाने में सक्षम हो
7. एक लोकगीत
8. वंदे मातरम हारमोनियम पर



मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	वर्ण, ग्राम, मूर्छना, गमक, मींड़, मुर्की, कण तथा खटका की परिभाषाएं	12	08	04
मई	आलाप, तान, सम, ताली, खाली, आवर्तन, विभाग, स्वरलिपि पद्धति, वंदे मातरम (हारमोनियम पर)	12	08	04
जून	ग्रीष्म कालीन अवकाश (गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	ध्रुपद, तराना, लक्षण गीत, राग देश, चार ताल (प्रयोगात्मक ज्ञान सहित)	10	05	09
अगस्त	थाट, राग, गायक, वाग्गेयकार की विवेचना, रागों का समय सिद्धांत	12	06	06
सितंबर	दोहराई अर्धवार्षिक परीक्षा		12	
अक्तूबर	झप ताल, धमार तथा एक ताल (1 गुण तथा 2 गुण सहित) विद्यार्थी तालको हाथ पर बजाने में सक्षम हो।	08	04	12



	बिहाग तथा भूपाली का शास्त्रीय परिचय आरोह, अवरोह, पकड़ सहित			
नवंबर	दिए गए स्वर समूह में से राग पहचानना प्रत्येक राग के छोटा खयाल की बंदिश स्वरलिपि तथा आलापवतान उपरोक्त किसी भी एक राग में विलंबित खयाल तथा ध्रुपद (प्रायोगिक ज्ञान के साथ)	08	04	12
दिसंबर	पण्डित शारंगदेव, पंडित ओंकारनाथ ठाकुर, पंडित जसराज, बड़े गुलाम अली खान का जीवन परिचय तथा भारतीय संगीत में लता मंगेशकर जी का योगदान एक लोकगीत (प्रयोगात्मक ज्ञान के साथ)	12	06	06
जनवरी	मध्य काल से आधुनिक काल तक का संगीत का इतिहास संगीत परिजात के संदर्भ में भविष्य में संगीत के क्षेत्र में संभावनाएं मध्यकाल भारतीय संगीत का स्वर्णयुग	06	02	06
फरवरी	दोहराई			
मार्च	वार्षिक परीक्षा			



नोट:

- विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।

प्रश्न पत्र प्रारूप(2024-25)

कक्षा- 12वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत गायन कोड:638

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न । 02 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 02 अभिकथन-कारण प्रश्न । 02 एक शब्दीय प्रश्न	08
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	02	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	08
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	03	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	09
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	05	01	प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
कुल		16		30



BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class-12th

Subject: Hindustani Music (Vocal)

Code: 638

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 30 marks. The practical (practical) test will be of 50 marks and the internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical (Practical) Examination for 50 marks, questions will be asked in the following manner.
 - i) Practical Booklet of 20 marks.
 - ii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one raga.
 - iii) 05 marks for viva about classical knowledge of any one taal.
 - iv) 15 marks for working knowledge of any one raga and any one taal. (with one Dhrupad or one Vilambhit Khayal)
 - v) 5 marks for oral and practical test of folk songs, Vande Mataram (on Harmonium).
4. There will be periodic assessment for internal assessment as follows:
 - i) Two SAT exams will be conducted, which will have a weightage of 4 marks for the final internal assessment.
 - ii) A half yearly test will be conducted which will have a weightage of 2 marks for final internal assessment.
 - iii) A pre board exam will be conducted which will have a weightage of 2 marks for final internal assessment.
 - iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).
 - v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.



vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks



Course Structure (2024-25)

Class-12th

Subject: Hindustani Music (Vocal)

Code: 638

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Musical definition	06
2	Singing styles	03
3	Thaat, Raag, Singer and Vaggaykar (Composer)	03
4	Time theory of ragas	03
5	Study of Taalas	03
6	Study of Raagas	12
7	Biographies of musicians	
8	History of music and future prospects	
Total		30
Practical Examination		50
Internal Assessment		20
Grand Total		100



Chapter 1: Musical Definitions

1. Varna

- Definition of Varna
- Types of Varna and their study
- Character recognition
- Creation of Alankars by Varna
- Importance of letters in music

2. Graam

- Literal meaning and definition of Graam
- Types of Graam
- Importance of Graam

3. Murchhna

- Literal meaning and definition of Murchhna
- Types of Murchhna
- Origin of Murchchana by Graam and their names

4. Gamak

- Gamak, definition and types of Gamak

5. Definition of Meend, Murki, Kan, and Khatka

6. Aalaap

7. Taan, definition and types of Taan

8. Sam, Taali, Khaali , rotation (Aavartan) , Vibhag

9. Definition of Notation

- Swarlipis, their invention and importance of Swarlipis in Indian music



Chapter 2: Singing Styles

- Dhrupad Singing Style
- Literal Meaning of Dhrupad Definition Origin Explanation
- Dhrupad's Vaniyas and their founders
- Tarana singing style
- Literal meaning, definition, explanation and features of Tarana
- Definition, parts, characteristics of the Lakshan geet

Chapter 3: Thaata, Raga, Singer and Vaggaykar (Composer)

- Thaata definition, types, their names, Notes of 10 Thaats, rules of Thaata
- Definition and rules of raga
- Difference between raga and thaata
- Description of the merits and demerits of singers
- Definition and characteristics of Vaggaykar (composer)



Chapter 4: Timing Theory of Ragas

- Purva raga and Uttar raga rules
- Sandhi Prakash raga and the rules of ragas to be sung after it
- Rule of Adhavdharshak Swara

Chapter 5: Study of Taalas

- Taal Jhaptal
- Taal chautal
- Taal Dhamar
- Taal Ek Taal

Classical introduction to all the above taals

- Taalas One gun and two gun.
- Development of the ability to play the rhythm on the hands
- Recognition of Taal from the given passage of Boles
-

Chapter 6: Study of Ragas

- Raag Desh,
- Raag Bihag,
- Raga bhupali
- Complete classical introduction of each of the above ragas
- Creation of Alankaar in the above ragas and their regular practice
- Two alaps and two Taans holding the ascension and descent of the above ragas
- Chhota khayal bandish and swaralipis of the above ragas
- Ability to identify ragas from given swara clusters from ragas in your syllabus
- At least One Dhrupad or One Vilambhit Khyaal in any of the prescribed Raagas.



Chapter 7: Biographies of Musicians

- Life introduction of Pandit Sharangdev
- Biography of Pandit Omkarnath Thakur

Life introduction of Pandit Jasraj

- Biography of Bade Ghulam Ali Khan
- Contribution of late Nightingale Lata Mangeshkar in the field of Indian music.

Chapter 8: History of Music and Future Prospects

- History of Music from the Middle Ages to the Modern Period (with brief study of Sangeet Parijaat)
- Future prospects in the field of music
- Golden period of Music as medieval period

Practicals

1. Knowledge of classical introduction of all ragas of the syllabus
2. Its regular practice, including ascension, descent, hold, alap and tan
3. At least one fast khayal in each raga
4. Vilambhit Khayal or Dhrupad in any one raga of the syllabus
5. On singing aalaap in a raga in slow tempo, the student should be able to identify that raga.
6. Student should be able to play on hand up to double rhythm of Taal Jhap Taal, Char Taal, Ek Taal and Dhamar Taal
7. A folk song
8. Vande Mataram on Harmonium



Monthwise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class-12th

Subject: Hindustani Music (Vocal)

Code: 638

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	Definitions of Varna, Gram, Murchna, Gamak, Meend, Murki, Kan and Khatka	12	08	04
May	Aalap, Taan, Sam, Tali, Khali, Aavartan, Vibhag, Swarlipi Method, Vande Mataram (on Harmonium)	12	08	04
June	Summer Vacation (Activity to be Assigned)			
July	dhrupad, tarana, Lakshan geet, Raag desh and Char Taal (with practical knowledge)	10	05	09
August	Interpretation of Thaata, Raag, Singer, Vaggaykar, Timing Theory of Raags	12	06	06
September	(Revision) Half Yearly Exam		12	
October	Jhap Taal, Dhamar and Ek Taal (with 1 Guna and 2 Guna) Student should be able to play Talco on hand. Classical introduction to Bihag and Bhupali including ascension, descent, grip (Pakad)	08	04	12
November	Identifying a Raag from a given set of notes	08	04	12



	Bandish swaralipi and alap and taan of small khayal of each raga Vilambit Khayal and Dhrupad (with practical knowledge) in any one of the above ragas			
December	Life introduction of Pandit Sharangdev, Pandit Omkarnath Thakur, Pandit Jasraj, Bade Ghulam Ali Khan and contribution of Lata Mangeshkar in Indian music A folk song (with practical knowledge)	12	06	06
January	History of Music from the Middle Ages to the Modern Period (with brief study of Sangeet Parijaat) future prospects in music Golden period of Music as medieval period.	06	02	06
February	Revision			
March	Annual Examination			



Note:

- Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.

Question Paper Design(2024-25)

Class-12th

Subject: Hindustani Music (Vocal)

Code: 638

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	01	8	02 Multiple choice questions. 02 Fill in the blanks Questions. 02 Assertion Reason Questions 02 One-word answer type questions	08
Very short answer type questions	02	04	All questions will be given with internal choice	08
Short answer questions	03	03	All questions will be given with internal choice	09
Long answerable Question	05	01	Question will be given with internal choice	05
Total		16		30



Haryana Board Study Material



Syllabus



Model Papers



Previous Year Question Papers



Books



Notes